एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष)
षष्टम पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any four questions of the following.

1. निम्न किन्हीं तीन पदों की व्याख्या कीजिए।

(i) माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै पड़ंत।
कहै कबीर गुर ग्यान हैं, एक आध उबरंत।।

(ii) बहुत दिनन थैं मैं प्रीतम पाये, भाग बड़े हरि बैठे आये।
मंगलाचार माँहि मन राखौं, राम रसाँइण रमना चापौं।
मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सुतो अपना पीव पियारा।।
मैं रनि रानी जे निधि पाई, हमहिं कहाँ यह तुमहि बड़ाई।
कहै कबीर मैं कछु न कीन्ह सखी सुहाग मोहि दीन्हा।।

(iii) देखत हनुमान अति हरषेहु । पुलक गात लोचन जल बखेउ।।
मन महँ बहुत भांति सुख मानी । बोलेउ श्रवन सुधा सम बानी।।
जासु बिरहँ सोचहु दिन राती। रटहु निरंतर गुन गन पाँति।।
रघुकूल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता।।

(iv) समै पलटि पलटै प्रकृति, को न तजै निज चाल ।
भौ अकरून करूना करौ, इहि कपूत कलिकाल ।।

2. कबीर के रहस्यवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

अथवा

सूफी काव्य की विशेषताओं का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. रीतिकाल की प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भ्रमरगीत के भाव विधान पर समीक्षात्मक लेख लिखिए।

4. निम्न किन्हीं तीन पदों की व्याख्या कीजिए।

(i) कनं प्रयंत कटाछ सुरंग बिराजही।
क्छु पुच्छन कों जाहि पै पुच्छत लाजही ।।
नैन सेंन में बात जु स्रबनन सौ कहै।
काम किधों प्रिथिराज भेद करि ना लहै।।

(ii) माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै पड़ंत।
कहै कबीर गुर ग्यान हैं, एक आध उबरंत।।

(iii) बहुत दिनन थैं मैं प्रीतम पाये, भाग बड़े हरि बैठे आये।
मंगलाचार माँहि मन राखौं, राम रसाँइण रमना चापौं।
मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सुतो अपना पीव पियारा।।
मैं रनि रानी जे निधि पाई, हमहिं कहाँ यह तुमहि बड़ाई।
कहै कबीर मैं कछु न कीन्ह सखी सुहाग मोहि दीन्हा।।

(iv) का सिंगार ओहि बरनौं राजा । ओहि क सिंगार ओहि पै छाजा।।
प्रथमहि सीस कस्तूरी केसा। बलि बासुकि को औरू नरेसा।।
भंवर केस वह मालति रानी । बिसहर लुरहिं लेहिं अरछानी।।
बेनी छोरि भारू जौं बारा । सरग पतार होई अंधियारा।
कोंवल कुटिल केस नग कारे। लहरन्हि भरे भुअंग बिसारे।
बेधे जानु मलैगिरि बासा । सीस चढ़े लोटहिं चहुँ पासा।
घुंघुरवारि अलकैं बिख भरीं । सिकरीं प्रेम चहहि गियँ परीं।
अस फँदवारे केस वै राजा परा सीस गियँ फाँद।
अस्टौ कुरी नाग ओरगाने भै केसन्हि के बाँद।।

5. भक्तिकाल के स्वरूप पर एक आलोचनात्मक लेख लिखिए।

अथवा

'रासो' काव्य परम्परा पर प्रकाश डालिए और उसमें पृथ्वीराज रासो का महत्व एवं स्थान निश्चित कीजिए।

6. **निम्न किन्हीं तीन पदों की व्याख्या कीजिए।**

(i) हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन बच क्रम नदनंदन सों उर दृढ़ करि पकरी।।
जागत सोवत सपने सौंतुख कान्ह कान्ह जक री।
सुनतहि जोग लगत ऐसी अलि! ज्यों करूई ककरी।।
सोई व्याधि हमैं लै आए देखी सुनी न करी।
यह तौ सूर तिन्हैं लै दीजै जिनके मन चकरी।।

(ii) देखत हनुमान अति हरषेहु । पुलक गात लोचन जल बखेउ।।
मन महँ बहुत भांति सुख मानी । बोलेउ श्रवन सुधा सम बानी।।
जासु बिरहँ सोचहु दिन राती। रटहु निरंतर गुन गन पाँति।।
रघुकूल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता।।

(iii) इहाँ भानुकूल कमल दिवाकर । कपिन्ह देखावत नगर मनोहर ।।
सुनु कपीस अंगद लंकेसा । पावन पुरी रूचिर यह देसा ।।
जद्यपि सब बैकुंठ बखाना । बेद पुरान विदित जगु जाना।।
अवधपुरी सम प्रिय नहीं सोऊ। यह प्रसंग जानइ कोउ कोऊ।।

(iv) समै पलटि पलटै प्रकृति, को न तजै निज चाल ।
भौ अकरून करूना करौ, इहि कपूत कलिकाल ।।

7. रीतिकाल की प्रमुख विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
अथवा
भ्रमरगीत के भाव विधान पर समीक्षात्मक लेख लिखिए।

8. उत्तरकांड में व्यक्त तुलसीदास के दर्शन की समीक्षा कीजिए।
अथवा
बिहारी काव्य में भक्ति एवं दर्शन संबंधी वर्णनों का मूल्यांकन कीजिए।

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्श)
सप्तम पत्र–भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाशा

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any four questions of the following.

1. भाषा की प्रमुख परिभाषाओं का उल्लेख करते हुए भाषा की विशेषताएं लिखिए।
2. अर्थ का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अर्थ परिवर्तन की दिशाओं पर प्रकाश डालिए।
3. वैदिक और लौकिक संस्कृत के अंतर को सोदाहरण समझाइए।
4. वाक्य को परिभाषित करते हुए उसके आवश्यक तत्त्वों का विवेचन कीजिए।
5. देवनागरी लिपि की परिभाषा देते हुए उसकी वैज्ञानिकता सिद्ध कीजिए।
6. स्वन उच्चारण में वाग्अवयव किस प्रकार सहायता करते हैं, चित्र के साथ परिचय दीजिए।
7. स्वन परिवर्तन के कारणों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
8. रूप की परिभाषा देते हुए रूप और रूपिम के अंतर को बताइए।
9. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का भाषा वैज्ञानिक परिचय प्रस्तुत कीजिए।
10. हिन्दी के विविध रूपों की सम्यक् चर्चा कीजिए।

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्श)
अष्टम पत्र : लोकसाहित्य अथवा हिन्दी उपन्यास

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any four questions of the following.

1. 'लोक से क्या तात्पर्य है? लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
   अथवा
   'लोकवार्ता' का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
2. लोक साहित्य की प्रमुख विधाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
   अथवा
   लोककथा की परिभाषा देते हुए उनका वर्गीकरण कीजिए।
3. राजस्थानी लोक संस्कृति का वैशिष्ट्य बतलाइए।
   अथवा
   राजस्थानी लोक नृत्यों का परिचय दीजिए।
4. 'लोक वार्ता' की मूल धुरी लोक मानस है।' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
   अथवा
   लोक साहित्य के संकलन तथा संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए यह भी बतलाइये कि इस कार्य में आने वाली कठिनाइयां कौन –कौन सी हैं?
5. 'राजस्थानी लोकगीत राजस्थानी लोक और जीवन दर्शन की व्याख्या प्रस्तुत करते हैं।' इस कथन के संदर्भ में राजस्थानी लोकगीतों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
   अथवा
   लोक कथा किसे कहते हैं? राजस्थानी लोक कथाओं की विशेषताएं बतलाइए।
6. राजस्थानी लोक गाथा का वर्गीकरण करते हुए उसकी विशेषताएं बतलाइए।
   अथवा
   राजस्थानी लोक नाअक 'खयाल' की विशेषताएं उद्घाटित कीजिए।

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्श)
नवम् पत्र : पत्रकारिता प्रशिक्षण अथवा अनुवाद विज्ञान

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any four questions of the following.

1. अनुवाद विज्ञान है अथवा कला स्पश्ट कीजिए।
2. अनुवाद में प्रयुक्ति के आधार पर क्या–क्या हैं। स्पश्ट कीजिए।
3. पुनरीक्षण किसे कहते हैं? पुनरीक्षण की प्रक्रिया के विभिन्न कार्यों का उल्लेख कीजिए।
4. मशीनी अनुवाद कैसे होता है? मशीनी अनुवाद की प्रमुख प्रविधियों को विस्तार से समझाइये।
5. अनुवाद विज्ञान है अथवा कला स्पश्ट कीजिए।
6. अनुवाद में समतुल्यता के सिद्धान्त की आवश्यकता को व्याख्यायित कीजिए।
7. आज विश्वमंच पर अनुवाद के विस्तार का कारण और महत्त्व बताइए।
8. अनुवाद में प्रयुक्ति के आधार पर क्या–क्या हैं। स्पश्ट कीजिए।
9. अनुवाद–पूर्व संपादन किसका और कैसे किया जाता है? अनुवाद के पश्चात् संपादन कैसे होता है?
10. अनुवाद की सार्थकता एवं प्रासंगिकता पर विस्तार से लिखिए।

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्श)
दशम पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any four questions of the following.

1. 'कार्यालयी हिन्दी' के प्रमुख प्रकार्यों पर संदर्भों सहित विचार कीजिए।
2. राजभाषा हिन्दी की संक्षिप्त यात्रा का वर्णन कीजिए।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विभिन्न रूपों पर विस्तारपूर्वक विचार कीजिए।
4. फीचर और रिपोर्ताज की विशेषताएं बताइए।
5. अनुवाद के विभिन्न रूपों पर विचार कीजिए।
6. कार्यालयी अनुवाद की समस्याओं और समाधान का विश्लेषण कीजिए।
7. पटकथा लेखन की क्या विशेषताएं हैं? विस्तार से बताइए।
8. हिन्दी के विभिन्न रूपों की चर्चा करते हुए प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप और उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
9. 'कार्यालयी हिन्दी' के प्रमुख प्रकार्यों पर संदर्भों सहित विचार कीजिए।
10. पारिभाषिक शब्द को पारिभाषित करते हुए इसके विभिन्न संदर्भों की व्याख्या कीजिए।
11. मुद्रित माध्यम में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य विशेषताओं का उद्घाटन कीजिए।